दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 02.05.2024

प्रकाशनार्थ

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यक्तित्व निर्माण की एक कला है– डॉ. अशोक कुमार चंद्रा

दिनांक 02.05.2024 गोरखपुर। **बी.एड. पाठ्यक्रम केवल एक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम ही नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण की एक कला है। बी.एड. पाठ्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षुओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ ही साथ उन्हें एक आत्मनिर्भर नागरिक भी बनाया जाता है। यह बातें विशिष्ट वक्ता डॉ. अशोक कुमार चंद्रा, नेचुरोपैथी एवं योग प्रशिक्षक, निदेशक, हरिओम प्रकृति चिकित्सालय, गोरखपुर ने अपने व्याख्यान में कही।**

शिक्षक–शिक्षा विभाग में आज दिनांक 02/05/2024 को 'मानव जीवन में योग एवं प्रकृति' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ। उन्होंने अपने व्यक्तव्य में कहा कि योग का अर्थ जोड़ना होता है। यहां जोड़ने से आशय तन को मन से एवं मन को आध्यात्म जोड़ना है। योग का अंतिम लक्ष्य ईश्वर की प्राप्ति है अर्थात अपने अस्तित्व की पहचान है। योग ,ब्रह्म और ईश्वर से मेल को कहते हैं, चित्त एवं वृत्ति को नियंत्रित करना ही योग है। अष्टांग शब्द संस्कृत के दो शब्दों "अष्ट" और "अंग" से मिलकर बना हुआ है। "अष्ट" से अभिप्राय आठ तथा "अंग" का अर्थ है शरीर या अंग से है। अष्टांग योग, योग के आठ अंगों का एक पूर्ण मिलन है। अष्टांग योग, इसके सभी आठ अंगों को एकीकृत करना है, जिसमें शामिल हैं यम (नैतिक संहिता), नियम (आत्म–अनुशासन), आसन (Mudra/Posture), प्राणायाम (Breath Control), प्रत्याहार (इंद्रिय प्रत्याहार), धारणा (Focus), ध्यान (Meditation), और समाधि (स्वयं के साथ एकता)। भगवान से अभिप्राय भ–भूमि (पृथ्वी), ग–गगन (आकाश) व –वायु, दृ अग्नि एवं न– नीर (जल) से है। इन्हीं पंचमहाभूतों से हमारे शरीर का निर्माण हुआ है और अन्त में इन्हीं पंचतत्वों में विलीन हो जाता है। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विशिष्ट अतिथि ने प्रशिक्षुओं को निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यावसायिक एवं वृत्तिक निर्देशन प्रदान किया।

कार्यक्रम का औपचारिक प्रारंभ डॉ. अशोक कुमार चंद्रा जी के द्वारा मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। बी.एड. छात्र परिषद के अध्यक्ष रवि प्रकाश जी के द्वारा मुख्य अतिथि जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। प्रशिक्षु अंजली, आरती एवं पल्लवी के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर बी.एड. विभाग के प्राध्यापक प्रो. (डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ सुभाष चंद्र, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप यादव, श्रीमती शालिनी पारिक एवम् द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी शिक्षक–प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दी।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क